ओम् शान्ति 18-11-13 मधुबन

प्राण अव्यक्त बापदादा का मधुर सन्देश (गुल्जार दादी)

आज अमृतवेले बापदादा के पास गई तो सदा के सदृश्य दूर से ही बापदादा दृष्टि दे रहे थे मैं भी दृष्टि लेते, अतीन्द्रिय सुख का अनुभव करते सम्मुख पहुंच गई और बाहों के झूले में अति स्नेह का अनुभव कर रही थी। थोड़े समय के बाद बाबा बोले, मेरी दिल तख्तनशीन बच्ची आज क्या समाचार लाई हो? मैं मुस्कराई, इतने में क्या देखा, जैसे सूर्य की किरणों की सकाश स्वत: ही सब तरफ फैल जाती है, ऐसे बापदादा की सर्व शक्तियों की किरणें सर्व बच्चों पर पड़ रही थी। सर्व बच्चों का वायुमण्डल बहुत प्रसन्नता का बन रहा था। कुछ समय तो मैं भी बाबा के साथ उसी शक्तिशाली स्थिति के अनुभव में समा गई। थोड़े समय के बाद बाबा की दृष्टि मेरे ऊपर पड़ी और बाबा मुस्कराये और बोले, आओ मेरी दिलतख्तनशीन बच्ची, राजदुलारी बच्ची आओ। यह परमात्म महावाक्यों का अतीन्द्रिय सुख तो केवल अनुभवी ही जानें। मैं तो अति अमूल्य बांहों के झूले में झूल रही थी। थोड़े समय के बाद बाबा बोले, सेवा का समाचार सुनाओ। मैंने सुनाया बापदादा समाचार सुनते बहुत खुश हुए। बापदादा के सामने जैसे सर्व बच्चे इमर्ज हो गये और बापदादा सम्मुख बात कर रहे थे। यह दृश्य भी अति प्यारा था। बाबा बोले, बच्चों को उमंग बहुत आता कि बाबा को करके ही दिखायेंगे, बन करके ही दिखायेंगे। लेकिन यह परिवर्तन का उमंग सदा नहीं रहता, कारण भिन्न-भिन्न सर्व स्वमान को सदा दिल से अनुभवी बन, अनुभव नहीं करते। अनुभवी मूर्त कम बनते हैं।

उसके बाद बाबा बोले, बच्चों पर बहुत स्नेह आ रहा है। बापदादा ने तो हर बच्चे को जन्मते ही मास्टर सर्वशक्तिवान भव का वरदान दे दिया है। ऐसी मीठी बातें करते बाबा को हर बच्चे पर बहुत बहुत प्यार आ रहा था और हमें भी बहुत प्यार आ रहा था वाह बाबा वाह! कितना प्यार है हर बच्चे से। ऐसे करते बाबा ने सभी को याद प्यार दिया। उसके बाद बाबा को मैंने अपनी तबियत का समाचार सुनाया कि बाबा जिस दिन आपको आना था उस दिन पेट में दर्द हुआ था, तो डाक्टर्स ने कहा है कि पथरी की शिकायत हो सकती है इसलिए कल चेकिंग कराने बाम्बे जाना है। तो बाबा ने बहुत प्यार से छुट्टी दी। आप सबको भी मालूम हो कि कल चेकिंग के लिए बाम्बे जा रही हूँ। फिर जल्दी सेवा में आ जायेंगी। अच्छा - सबको याद... ओम् शान्ति।